विवरणिका

स्थापित 1960

ध्यान सिंह मैमोरियल डिग्री कालेज

काँठ (मुरादाबाद)

(सम्बद्ध : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद)

सत्र : 2025-26

Email: mbdkanth123@gmail.com

Ph. : 0591-2220191

बन गया पौधा महातरु जो कभी तुमने लगाया।
दे रही आराम जग को, आज उसकी सौम्य छाया।।

महाविद्यालय के संस्थापक

समर्पित समाजसेवी, शिक्षा प्रेमी एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी

परमादरणीय
स्व. कुँवर जितेन्द्र प्रताप सिंह जी

(पूर्व प्रबंधक व विधायक)

शिक्षा-प्रसार हेतु समर्पित स्मृति शेष

परमादरणीया
स्व. कमल कुमारी जी

पूर्व प्रबन्धक, प्रबन्ध समिति

त्याग के मोती चुगे थे विश्व के इस मानसर में।
श्वेत संन्यासी रहीं तुम, जिन्दगी के इस सफर में।।

विवरणिका

20....... - 20.......

ध्यान सिंह मेमोरियल डिग्री कॉलेज, काँठ (मुरादाबाद)

(गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद से सम्बद्ध)

स्थापना वर्ष : 1960

परिचय

ध्यान सिंह मेमोरियल हाईस्कूल ट्रस्ट, कांठ (मुरादाबाद) द्वारा संचालित ध्यान सिंह मेमोरियल इण्टर कॉलेज, काँठ (मुरादाबाद) की श्रृंखला में ध्यान सिंह मेमोरियल डिग्री कॉलेज, काँठ (मुरादाबाद) दूसरी संस्था है जो इस ग्रामीण अंचल में उच्च शिक्षा के प्रसार हेतु निरन्तर प्रयासरत् है। यह ट्रस्ट पिछले लगभग दस दशकों से विभिन्न स्तर की शिक्षण संस्थाएँ स्थापित एवं सुचारू रूप से संचालित कर उनके उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सदा तत्पर है, जिनको प्राथमिकता देकर अब से लगभग एक सौ चार वर्ष पूर्व इसकी स्थापना की गई थी। महान समाजसेवी शिक्षा प्रेमी, दानवीर और राष्ट्र भक्त राय बहादुर, स्व. चौधरी धर्म सिंह जी ने अपने पूज्य श्वसुर परम श्रद्धेय राय बहादुर श्री ध्यान सिंह जी की पुण्य स्मृति में सोलह के दशक में इस ट्रस्ट की स्थापना की गयी। इस कार्य में उन्हें आगरा और अवध प्रांत के तत्कालीन ले. गर्वनर सर जे.एस. मेस्टन का भी सहयोग मिला।

21 जुलाई 1916 को स्थापित ध्यान सिंह मैमोरियल हाईस्कूल, कांठ ने धीरे-धीरे प्रगति करते हुए ध्यान सिंह मेमोरियल इण्टर कॉलेज का रूप धारण किया और 1960 में कला संकाय के साथ ध्यान सिंह मेमोरियल डिग्री कॉलेज की स्थापना हुई। महाविद्यालय को तत्कालीन विधान सभा सदस्य कुंवर जितेन्द्र सिंह के अथक प्रयासों से विश्वविद्यालय से 1963 में विज्ञान संकाय की विधिवत् मान्यता प्राप्त हुई। कुंवर जितेन्द्र प्रताप सिंह स्वभाव से

महान शिक्षा प्रेमी और एक समर्पित समाजसेवी थे। वो महाविद्यालय के आजीवन प्रबन्धक रहते हुए उच्च शिक्षा के अध्ययन-अध्यापन के साधन उपलब्ध कराते रहे। स्थापना से लेकर आज तक महाविद्यालय अपने ग्रामीण अंचल के छात्र-छात्राओं को लेकर प्रबन्ध समिति के संरक्षण तथा शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के अदम्य उत्साह एवं समर्पण के साथ उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर होता चला जा रहा है। महाविद्यालय मुरादाबाद-हरिद्वार मार्ग पर मुरादाबाद से लगभग 30 कि0मी0 की दूरी पर काँठ कस्बे में स्थित है। उत्तर प्रदेश सरकार व विश्वविद्यालय से प्राप्त आदेशों तथा शिक्षा निदेशक उच्च शिक्षा उ0प्र0 प्रयागराज से समय-समय पर प्राप्त निर्देशों का सम्बल लिए महाविद्यालय प्रतिवर्ष सफलताओं व उपलब्धियों के नये-नये आयाम स्थापित कर रहा है। विश्वविद्यालय स्तरीय किसी भी शैक्षिक अथवा शिक्षणेत्तर गतिविधि में महाविद्यालय कभी पीछे नहीं रहा है। महाविद्यालय में स्नातक स्तर के नियमित शिक्षण की समुचित व्यवस्था है। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई राष्ट्र तथा क्षेत्र की सेवा हेतु कृत संकल्पित रही है।

महाविद्यालय में पूर्ण सुसज्जित पुस्तकालय व शिक्षण कार्य के लिए आवश्यक अन्य कई प्रकार के उपकरण उपलब्ध है। समर्पित प्रबन्ध-तन्त्र, सुयोग्य आचार्य कुल तथा निष्ठावान शिक्षणेत्तर वर्ग के सहयोग से महाविद्यालय निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। महाविद्यालय के परीक्षाफल, क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ तथा अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम अपनी उत्कृष्टता के आधार पर विश्वविद्यालय में अपनी एक विशेष पहचान रखते हैं। महाविद्यालय में वार्षिक पत्रिका "कंठिका" का प्रकाशन होता है।

महाविद्यालय के पाठ्यक्रम

कला संकाय (Faculty of Arts) :

स्नातक स्तर विज्ञान संकाय हेतु विषय–

बी0ए0 उपाधि हेतु गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत निम्नांकित विषय हैं–

अ) मुख्य पाठ्यक्रम (Main Subjects) :

(1) हिन्दी
(2) अंग्रेजी
(3) अर्थशास्त्र
(4) भूगोल
(5) समाजशास्त्र
(6) राजनीति शास्त्र
(7) शारीरिक शिक्षा

स्नातक स्तर विज्ञान संकाय हेतु विषय–

(1) भौतिक शास्त्र
(2) रसायन शास्त्र
(3) गणित

नोट– (1) वोकेशनल
(2) को–करिकुलर
उपरोक्त विषय / पेपर बी0ए0, बी0एस0सी0 दोनों के लिए अनिवार्य

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

(क) राष्ट्रीय सेवा योजना (National Service Scheme)

भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्देशित तथा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं की 100–100 संख्या वाली दो ईकाई स्वीकृत है। ईकाई के स्वयं सेवक तीन वर्षों में से प्रथम दो वर्षों में 240 घण्टे के समाज सेवा कार्य (120 घण्टे प्रतिवर्ष) सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत करते हैं तथा कम से कम एक सात दिवसीय विशेष शिविर में भाग लेते हैं।

सामान्य कार्यक्रमों व विशेष शिविरों के माध्यम से स्वयं सेवक सड़क निर्माण, पर्यावरण जागरूकता, साक्षरता, वृक्षारोपण, रक्तदान, आपदा प्रबन्धन, एड्स विरूद्ध अभियान, अन्धविश्वास उन्मूलन, राष्ट्रीय एकता व अखण्डता का प्रचार–प्रसार जैसे कार्यक्रम करते हैं। सरकार व विश्वविद्यालय के नियमानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को विभिन्न प्रतियोगिताओं व प्रवेश परीक्षाओं में अतिरिक्त अंक प्रदान किये जाते हैं।

(ख) खेल (Sports)

महाविद्यालय में कबड्डी, कुश्ती, बैडमिन्टन, क्रिकेट, शतरंज, बैस–बॉल, कैरम, खो–खो आदि खेलों का पूर्ण प्रबन्ध है। महाविद्यालय में विशाल खेल मैदान हैं जिसमें विभिन्न प्रकार की एथलैटिक गतिविधियों की समुचित व्यवस्था है। महाविद्यालय की वार्षिक खेल प्रतियोगिताएँ होती रहती हैं।

(ग) रोवर्स व रेंजर्स (Rovers & Rangers)

विश्वविद्यालय के नियमों व मानदण्डों के अनुसार महाविद्यालय में रोवर्स व रेंजर्स दल संचालित होगा।

(घ) सांस्कृतिक कार्यक्रम (Cultural Programmes)

महाविद्यालय वर्ष पर्यन्त सांस्कृतिक समिति के निर्देशन में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करता है जिसमें वाद–विवाद प्रतियोगिता, गायन–वादन, नाटक–मंचन आदि के माध्यम से छात्र–छात्राओं की प्रतिभा को उजागर करने का प्रयास किया जाता है।

अनुशासन व्यवस्था

महाविद्यालय में सह–शिक्षा की व्यवस्था है। अनुशासन व्यवस्था सुदृढ़ बनाने हेतु महाविद्यालय में एक अनुशासन परिषद है जो अपने सभी सदस्यों की कर्मठता व निष्ठा के माध्यम से परिसर में शान्ति व अनुशासन व्यवस्था बनाये रखती है।

अनुशासन परिषद (Proctorial Board) मुख्य अनुशासन अधिकारी के निर्देशन में कार्य करते हुए महाविद्यालय में अनुशासन व शान्ति बनाये रखने के लिए उत्तरदायी होती है। उसके निर्देशों का पालन करना प्रत्येक छात्र–छात्रा का कर्तव्य है।

पुस्तकालय (Library)

महाविद्यालय में पूर्ण सुसज्जित पुस्तकालय है जिसमें स्नातक स्तर की पुस्तकें, अनेक उपयोगी पुस्तकें तथा अनेक अन्य पत्र–पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय के नियम (Rules of Library)

1. पुस्तकालय में प्रवेश के समय छात्र–छात्राओं को पुस्तकालय कार्ड/परिचय पत्र साथ लाना होगा।
2. पुस्तकालय कार्ड के बिना छात्र–छात्राओं को पुस्तकें नहीं दी जायेंगी।
3. पुस्तकालय कार्ड पर छपे नियमों का पालन आवश्यक है।
4. पुस्तकालय में बाहरी छात्र–छात्राओं अथवा किसी भी अन्य व्यक्ति का प्राचार्य की आज्ञा के बिना प्रवेश वर्जित है।
5. पुस्तकालय की सम्पत्ति को हानि पहुँचाने के दोषी छात्र–छात्राओं का प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा तथा क्षति का मुआवजा लिया जायेगा।

परिचय–पत्र (Identity Card)

परिचय–पत्र प्राप्ति के उपरान्त सभी छात्र–छात्राएँ मुख्य अनुशासन अधिकारी द्वारा अपना परिचय पत्र पूर्ण करायेंगे। महाविद्यालय में छात्र–छात्राएँ अपना परिचय पत्र सदैव अपने साथ रखें। महाविद्यालय अधिकारियों द्वारा मांगे जाने पर परिचय–पत्र प्रस्तुत न किये जाने की स्थिति में ऐसे छात्र–छात्राओं को कक्षाओं से वंचित किया जा सकता है तथा इनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

प्रवेश प्रक्रिया (Entry Process)

महाविद्यालय में सभी कक्षाओं हेतु सरकार तथा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नई शिक्षा नीति–2020 के नियमानुसार ही प्रवेश प्रदान किये जायेंगे। प्रवेश प्रक्रिया के निम्न

चरण होंगे–

1. पंजीकरण– बी0ए0 तथा बी0एस0सी0 प्रथम वर्ष हेतु आवश्यक (विश्वविद्यालय के प्राविधानानुसार ऑनलाईन)
2. योग्यता सूची– योग्यता सूची के आधार पर क्रमानुसार प्रवेश दिए जायेंगे।
3. प्रवेश समिति की संस्तुति– प्रत्येक कक्षा के प्रवेशार्थी के लिए आवश्यक।
4. प्राचार्य का आदेश– प्रत्येक प्रवेशार्थी के लिए आवश्यक।
5. कार्यालय तथा बैंक स्तर की कार्यवाही– नियमानुसार प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक।

नोट :– प्रत्येक प्रवेशार्थी का अपने अभिभावक के साथ प्रवेश समिति के समक्ष स्वयं उपस्थित होना आवश्यक है।

प्रवेश के सामान्य नियम

प्रवेश कार्यक्रम एवं प्रवेश सूचनाएँ महाविद्यालय के सूचना–पट्ट पर समय–समय पर लगायी जायेंगी। व्यक्तिगत सूचना के अभाव में कोई छात्र–छात्रा प्रवेश से वंचित रह जाएं तो वह उसका अपना उत्तरदायित्व होगा। अतः प्रवेश हेतु निश्चित तिथियाँ, प्रवेश सूची आदि विद्यार्थी स्वयं नोटिस बोर्ड पर विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर तथा समाचार पत्रों पर देखें।

प्रत्येक कक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन–पत्र पूर्ण रूप से भरा जाना चाहिए। अपूर्ण व विलम्ब से प्राप्त आवेदन–पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। प्रत्येक आवेदन–पत्र के साथ पाँच रंगीन फोटो **Passport Size** स्वयं हस्ताक्षरित व सत्यापित मार्क्सशीट, टी.सी., चरित्र प्रमाण–पत्र, माइग्रेशन प्रमाण–पत्र व आधार कार्ड संलग्न करने आवश्यक है।

महाविद्यालय में प्रथम बार प्रवेश किसी भी कक्षा में मूल टी.सी. के बिना नहीं दिया जायेगा। सामान्यतः द्वितीय वर्ष एवं तृतीय वर्ष में किसी अन्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं दिया जायेगा। परीक्षा में अनुचित साधन प्रयोग करते पाये गये अथवा दोषी घोषित किसी भी विद्यार्थी का प्रवेश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।

चेतावनी

माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश दिनांक 04 मई 2001 के द्वारा शिक्षण संस्थाओं में रैगिंग प्रतिबन्धित है। यह एक दण्डनीय अपराध है। कोई भी विद्यार्थी इसमें संलिप्त न हो।

प्रवेश समिति

1.	डॉ0 शिवराम सिंह	–	प्रवेशाधिकारी/संयोजक
2.	श्री सनी सिंह	–	सदस्य
3.	डॉ0 रजनीश गुप्ता	–	सदस्य
4.	डॉ0 अनुराग पाण्डेय	–	सदस्य
5.	श्री आशाराम यादव	–	सदस्य
6.	श्री अश्वनी कुमार	–	सदस्य
7.	डॉ0 विजय प्रकाश त्रिपाठी	–	सदस्य
8.	डॉ0 मानपाल सिंह	–	सदस्य
9.	सुश्री पूजा सक्सैना	–	सदस्य
10.	श्री राजेन्द्र सिंह	–	सदस्य

विशेष :–

★ यह 'प्रवेश–समिति' आरक्षण, अर्हता, वरीयता, अधिभार आदि सम्बन्धी शासनादेशों/आदेशों/निर्देशों का पालन सुनिश्चित करते हुए समस्त कक्षाओं के प्रवेश संस्तुत करने हेतु अधिकृत एवं उत्तरदायी होगी।

★ प्रवेश–समिति के सभी सदस्य एक साथ बैठकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करेंगे।

★ प्रवेश सम्बन्धी किसी भी प्रकरण में प्राचार्य का निर्णय अन्तिम होगा।

छात्र–छात्राओं के लिए निर्देश

(1) महाविद्यालय परिसर में अनुशासन व्यवस्था, स्वच्छता तथा शान्तिमय शैक्षिक वातावरण बनाये रखने में आपका पूर्ण सहयोग अपेक्षित है।

(2) छात्र–छात्राओं के लिए हितपूर्ण होगा कि परिसर में तथा उसके बाहर भी अपना परिचय–पत्र सदा साथ रखें। आवश्यकता पड़ने पर प्रस्तुत करें।

(3) कक्षाओं में नियमित रहें और समय–समय पर अलग–अलग पाठ्यक्रमों में अपनी उपस्थिति की जानकारी करते रहें।

(4) खाली समय में इधर–उधर घूमने की अपेक्षा पुस्तकालय एवं वाचनालय का उपयोग करें।

(5) आप सी.सी.टी.वी. कैमरों की नज़र में हैं। रैगिंग में संलिप्त न हों।

(6) सूचना–पट्ट का अवलोकन नियमित रूप से करते रहें। सूचना का यही एक मात्र माध्यम है।

(7) समय–समय पर प्रसारित होने वाली सूचनाओं और निर्देशों का पूर्ण पालन करें।

(8) अपना शुल्क समय रहते जमा करें और उनकी रसीद प्राप्त करें। धरोहर राशि परीक्षाफल घोषणा के एक वर्ष के अन्तर्गत प्रार्थना पत्र देकर वापस प्राप्त कर लें।

(9) महाविद्यालय के उत्थान अथवा छात्रों के हित के सम्बन्ध में यदि कोई रचनात्मक सुझाव हो तो उन्हें लिखित रूप से प्राचार्य को उपलब्ध करायें।

(10) किसी नियम की अनभिज्ञता को उसके उल्लंघन का बहाना नहीं माना जायेगा।

विशेष :– विवरणिका में वर्णित तथ्यों में आवश्यकतानुसार संशोधन/परिवर्तन करने का प्राचार्य का अधिकार सुरक्षित है। छपाई सम्बन्धी तकनीकी त्रुटि के लिए महाविद्यालय प्रशासन उत्तरदायी नहीं होगा।

महाविद्यालय की विभिन्न कार्य समितियाँ

अनुशासन समिति/ऐण्टी रैगिंग सैल

1. श्री आशाराम यादव (चीफ प्रॉक्टर) – संयोजक
2. श्री अश्वनी कुमार (सहायक चीफ प्रॉक्टर) – सदस्य
3. डॉ0 विजय प्रकाश त्रिपाठी – सदस्य
4. श्री मानपाल सिंह – सदस्य
5. डॉ0 शिवराम सिंह – सदस्य
6. सुश्री पूजा सक्सैना – सदस्य
7. श्री राजेन्द्र सिंह – सदस्य

8–10. छात्र प्रतिनिधि

विवरणिका समिति

1. डॉ0 शिवराम सिंह – प्रभारी
2. श्री आशाराम यादव – सदस्य
3. डॉ0 विजय प्रकाश त्रिपाठी – सदस्य
4. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी

शुल्क मुक्ति समिति

1. डॉ0 रजनीश गुप्ता – संयोजक
2. डॉ0 सौरभ सिंघल – सदस्य
3. डॉ0 अनुराग पाण्डेय – सदस्य
4. श्री आशाराम यादव – सदस्य
5. श्री राजेन्द्र सिंह – सदस्य

नोट :– शासकीय शुल्क प्रतिपूर्ति की परिधि में न आने वाले विद्यार्थियों हेतु।

छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति समिति

1. डॉ0 रजनीश गुप्ता – नोडल अधिकारी
2. डॉ0 विजय प्रकाश त्रिपाठी – सदस्य
3. डॉ0 मानपाल सिंह – सदस्य
4. डॉ0 शिवराम सिंह – सदस्य
5. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी

परीक्षा समिति

1. प्रो0 सोमपाल सिंह (प्राचार्य) – अध्यक्ष
2. श्री सनी सिंह – सदस्य
3. डॉ0 सौरभ सिंघल – सदस्य
4. डॉ0 रजनीश गुप्ता – सदस्य
5. डॉ0 अनुराग पाण्डेय – सदस्य
6. डॉ0 शिवराम सिंह – सदस्य
7. डॉ0 विजय प्रकाश त्रिपाठी – सदस्य
8. श्री राजेन्द्र सिंह – सदस्य
 – कार्यालय सहयोगी

छात्र कोष परामर्शदात्री समितियाँ

(i) क्रीड़ा समिति :

1. प्रो0 सोमपाल सिंह (प्राचार्य) – अध्यक्ष
2. श्री सूरज सिजवाली – संयोजक
3. डॉ0 शिवराम सिंह – सदस्य
4. श्री सूर्यांश चन्द्र – सदस्य
5. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी

6.–10. छात्र प्रतिनिधि

(ii) वार्षिक पत्रिका :

1. प्रो0 सोमपाल सिंह (प्राचार्य) – अध्यक्ष
2. श्री आशाराम यादव (प्रधान सम्पादक) – संयोजक / सचिव
3. डॉ0 विजय प्रकाश त्रिपाठी (सम्पादक) –
4. डॉ0 शिवराम सिंह – सदस्य
5. डॉ0 रजनीश गुप्ता – सदस्य
6. श्री सूरज सिजवाली – सदस्य
7. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी

8–10. छात्र प्रतिनिधि

(iii) पुस्तकालय समिति :

1. प्रो0 सोमपाल सिंह (प्राचार्य) – अध्यक्ष
2. श्री सूरज सिजवाली (प्रभारी पुस्तकालय) – संयोजक / सचिव
3. डॉ0 विजय प्रकाश त्रिपाठी – सदस्य
4. डॉ0 शिवराम सिंह – सदस्य
4. श्री आशाराम यादव – सदस्य
5. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी

6–9. छात्र प्रतिनिधि

(iv) सांस्कृतिक वार्षिक दिवस समिति :

1. प्रो0 सोमपाल सिंह (प्राचार्य) – अध्यक्ष
2. डॉ0 रजनीश गुप्ता (प्रभारी सांस्कृतिक कार्यक्रम) – संयोजक / सचिव
3. डॉ0 विजय प्रकाश त्रिपाठी – सदस्य
4. श्री आशाराम यादव – सदस्य
5. सुश्री पूजा सक्सैना – सदस्य
6. श्री सूरज सिजवाली – सदस्य
7. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी
8. छात्र प्रतिनिधि
9. महाविद्यालय स्टाफ के अन्य समस्त सदस्य

(v) प्राथमिक चिकित्सा समिति :

1. प्रो0 सोमपाल सिंह (प्राचार्य) – अध्यक्ष
2. डॉ0 रजनीश गुप्ता (प्रभारी प्राथमिक चिकित्सा) – सचिव
3. डॉ0 सौरभ सिंघल – सदस्य
4. डॉ0 शिवराम सिंह – सदस्य
5. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी
6–8. छात्र प्रतिनिधि

(vi) निर्धन छात्र कोष समिति :

1. प्रो0 सोमपाल सिंह (प्राचार्य) – अध्यक्ष
2. डॉ0 रजनीश गुप्ता – संयोजक / सचिव
3. श्री अनुराग पाण्डेय – सदस्य
4. श्री आशाराम यादव – सदस्य
5. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी
6–8. छात्र प्रतिनिधि

(vii) कॉशन मनी समिति :

1. प्रो0 सोमपाल सिंह (प्राचार्य) – अध्यक्ष
2. डॉ0 रजनीश गुप्ता – सदस्य
3. श्री आशाराम यादव – सदस्य
4. डॉ0 शिवराम सिंह – सदस्य
5. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी
6–8. छात्र प्रतिनिधि

(viii) परिचय-पत्र समिति :

1. प्रो0 सोमपाल सिंह (प्राचार्य) – अध्यक्ष
2. श्री आशाराम यादव (चीफ प्रॉक्टर) – संयोजक / सचिव
3. श्री अश्वनी कुमार (सहायक चीफ प्रॉक्टर) – सदस्य
4. डॉ0 शिवराम सिंह – सदस्य
5. डॉ0 विजय प्रकाश त्रिपाठी – सदस्य
6. डॉ0 मानपाल सिंह – सदस्य
7. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी
8–8. छात्र प्रतिनिधि

भवन रख-रखाव, निर्माण एवं सौंदर्यकरण समिति :

1. प्रो0 सोमपाल सिंह (प्राचार्य) – अध्यक्ष
2. श्री आशाराम यादव (चीफ प्रॉक्टर) – संयोजक
3. डॉ0 रजनीश गुप्ता – सचिव
4. डॉ0 शिवराम सिंह – सदस्य
5. डॉ0 विजय प्रकाश त्रिपाठी – सदस्य
6. श्री अश्वनी कुमार – सदस्य
7. श्री सौरभ सिंघल – सदस्य
8. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी

राष्ट्रीय सेवा योजना :

1. श्री सूरज सिजवाली – कार्यक्रमाधिकारी
2. श्री अश्वनी कुमार – कार्यक्रमाधिकारी
3. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी

विकास समिति :

1. डॉ0 सौरभ सिंघल – संयोजक
2. डॉ0 शिवराम सिंह – सदस्य
3. डॉ0 विजय प्रकाश त्रिपाठी – सदस्य
4. श्री आशाराम यादव – सदस्य
5. डॉ0 सूर्यांश चन्द्र – सदस्य
6. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी

वेबसाइट समिति :

1. डॉ0 रजनीश गुप्ता – प्रभारी
2. डॉ0 शिवराम सिंह – सदस्य
3. डॉ0 मानपाल सिंह – सदस्य
4. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी

रोवर्स रेंजर्स :

1. डॉ0 शिवराम सिंह – प्रभारी
2. श्री अश्वनी कुमार – सदस्य
3. श्री राजेन्द्र सिंह – कार्यालय सहयोगी

महाविद्यालय परिवार

शिक्षक – कला संकाय

1.	प्रो0 सोमपाल सिंह	–	प्राचार्य
2.	श्री नीरज उर्फ यादवेन्द्र पाठक (अवैतनिक अवकाश पर)	–	असि.प्रोफे. (राजनीति शास्त्र)
3.	श्री सनी सिंह	–	असि.प्रोफे. (समाज शास्त्र)
4.	डॉ0 शिवराम सिंह	–	असि.प्रोफे. (समाज शास्त्र)
5.	डॉ0 सौरभ सिंघल	–	असि.प्रोफे. (भूगोल)
6.	डॉ0 विजय प्रकाश त्रिपाठी	–	असि.प्रोफे. (भूगोल)
7.	श्री रजनीश गुप्ता	–	असि.प्रोफे. (अंग्रेजी)
8.	डॉ0 अनुराग पाण्डेय	–	असि.प्रोफे. (अंग्रेजी)
9.	श्री सूरज सिजवाली	–	असि.प्रोफे. (अंग्रेजी)
10.	श्री आशाराम यादव	–	असि.प्रोफे. (हिन्दी)
11.	श्री अश्वनी कुमार	–	असि.प्रोफे. (अर्थ शास्त्र)

शिक्षक – विज्ञान संकाय

1.	डॉ0 सूर्यांश चन्द्र	–	असि.प्रोफे. (रसायन शास्त्र)
2.	डॉ0 मानपाल सिंह	–	असि.प्रोफे. (गणित)
3.	सुश्री पूजा सक्सैना	–	असि.प्रोफे. (भौतिक शास्त्र)

शिक्षणेत्तर कर्मचारी

1.	पुस्तकालयाध्यक्ष	–	रिक्त
2.	कार्यालय अधीक्षक	–	रिक्त
3.	श्री मनीष कुमार	–	भूगोल प्रयोगशाला सहायक
4.	श्री राजेन्द्र सिंह	–	नैत्यिक लिपिक

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

(1) सफाई कर्मचारी (रिक्त), (2) श्री कुलदीप कुमार (चपरासी), (3) श्री लक्ष्मण सिंह (माली), (4) श्री पंकज कुमार (पानी वाला), (5) श्री हरिओम सिंह (भौतिक शास्त्र प्रयोगशाला परिचर), (6) श्री निर्देश कुमार (पुस्तकालय परिचर), (7) श्री प्रदीप कुमार (चौकीदार), (8) दफ्तरी (रिक्त), (9) रसायन प्रयोगशाला परिचर (रिक्त)।

शिक्षा–प्रसार हेतु समर्पित हमारे प्रेरणा स्रोत

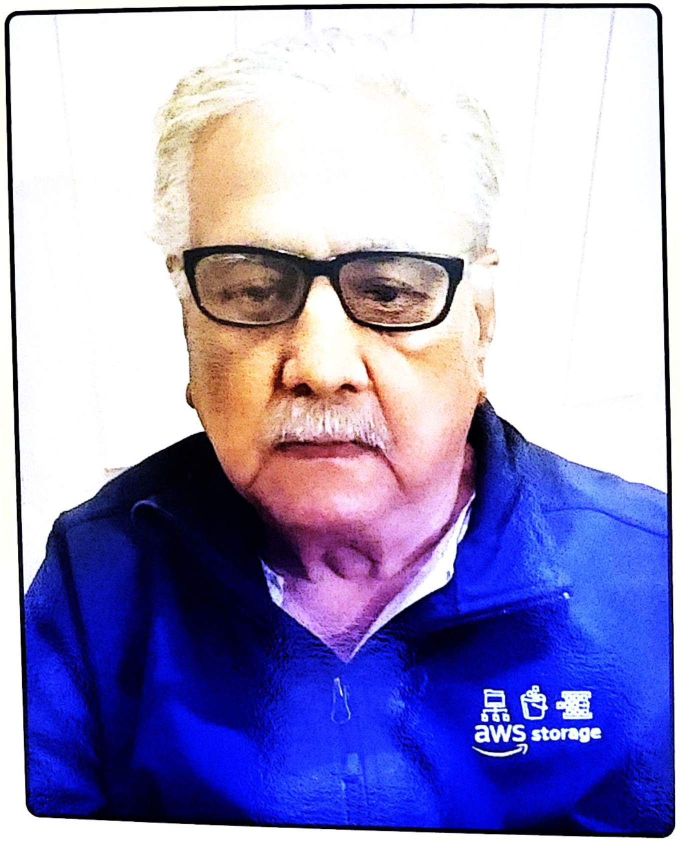

परमादरणीय कुँवर योगेन्द्र सिंह जी

प्रबन्धक, प्रबन्धकारिणी समिति

शून्य से शिखर तक पहुँचने का नाम ही है जीवन

शिक्षण संस्थाएं विद्यार्थियों के लिए बनती हैं। विद्यार्थी राष्ट्र का भविष्य हैं। भविष्य संवारने के लिए वर्तमान में सजग रहना होगा। सजग व्यक्ति कभी सहज नहीं हो सकता। सहजता में प्रगति के लिए बेचैनी नहीं होती। लक्ष्य प्राप्ति के लिए सजग होना अनिवार्य है। बेचैनी ऊँचाइयों पर ले जाती है जबकि चैन बंद कमरों में कैद रहता है। जीवन का उद्‌देश्य शांत भवन में टिका रहना कदापि नहीं है। जीवन तो वह है जो उस सीमा तक पहुँचने का प्रयास करता है जिसके आगे रास्ते ही समाप्त हो जाते हैं। शून्य से शिखर तक पहुँचने का नाम ही जीवन है।

छात्र, अभिभावक व शिक्षक तीनों ही शिक्षा का अपरिहार्य अंग हैं। यदि हम अपने अधिकारों के प्रति सजग हैं तो हमें अपने कर्तव्य को भी नहीं भूलना चाहिए। आज के बदलते परिवेश में अपनी भावी पीढ़ी को मजबूत बनाने के लिए तीनों ही पक्षों को मजबूत भूमिका अदा करनी होगी। हमें अपने नैतिक मूल्यों को बढ़ाना है ताकि हमारा देश विकसित और आदर्श राष्ट्र बन सके। कहा जाता है कि सपने बंद आँखों से देखे जाते हैं, मैं छात्रों, अभिभावकों एवं अध्यापकों से उम्मीद करता हूँ कि अपने सपनों को साकार करने के लिए सदैव तत्पर रहें।

ग्रामीण अंचल की यह एक मात्र संस्था है जो गत लगभग पैसट वर्षो से अपने सीमित संसाधनों से असीमित उपलब्धियाँ प्राप्त करने हेतु प्रयासरत है। शैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों के माध्यम से विश्वविद्यालय में अपनी एक विशिष्ठ पहचान रखने वाली इस संस्था के उत्थान एवं प्रगति में सहयोग करने वाली समस्त इकाईयाँ-शिक्षक, शिक्षणेत्तर वर्ग, विद्यार्थी, प्रबन्धतंत्र एवं अभिभावक सभी बधाई के पात्र हैं।

प्रो० सोमपाल सिंह

प्राचार्य

Aryawart Printers, Amroha- 9412139333, 8630822099

Price : 200/-